जय मीनेष आदिवासी विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स और छात्रावास निर्माण के शिलान्यास पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

जय मीनेष आदिवासी विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स और छात्रावास निर्माण के शिलान्यास के शुभ अवसर पर आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

इस देश के आज़ादी के आंदोलन में और आज़ादी के आंदोलन के बाद भी देश के विकास में आदिवासी समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

हमारे इस हाड़ौती के जमीन से जुड़े एक नेता, जिन्होंने जिंदगी भर सादगी के जीवन के साथ आजादी के आंदोलन की लड़ाई लड़ी और उसके बाद समाज के अंदर शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन आए, उसके लिए एक लंबा संघर्ष किया, श्रीमान् भैंरूलाल बादल साहब एवं ऐसे बहुत सारे लोग राजस्थान और देश में हुए हैं, जिनके बलिदान से भारत आजाद हुआ और आज़ाद होने के बाद उन्होंने इस देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान दिया।

मुझे खुशी है कि आप सबने उसी मनोकल्पना के साथ काम किया कि अगर समाज के अंदर आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन करना है तो समाज के अंदर सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन में सबसे प्रमुख भूमिका शिक्षा की होती है। उस शिक्षा के उजाले को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए आपने केवल विद्यालय-महाविद्यालय नहीं, एक विश्वविद्यालय की शुरूआत की।

माननीय मंत्री जी ने छात्रावास और विश्वविद्यालय के लिए जमीन दी, मैं उनको भी धन्यवाद देना चाहता हूं। मुझे आशा है कि आपका जो सपना है, आपका जो विचार है कि इस विश्वविद्यालय के अंदर केवल शिक्षा न हो, शिक्षा के साथ यहां पर रोजगार देने वाले वे सब रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम के साथ, कौशल के साथ किस तरीके से हम हाड़ौती और राजस्थान के नौजवानों को नौकरी दे सकते हैं।

आदिवासी इलाके के अंदर हमारे ज्यादातर भाई किसान हैं। उन किसान भाइयों की कृषि के अंदर किस तरीके से आमदनी को हम बढ़ा सकते हैं, इसलिए एग्रीकल्चर स्टार्ट अप के रूप में भी काम करें, इनोवेशन करें और अपनी जमीन पर उन स्टार्ट अप के यंत्रों का नया इनोवेशन करें, जिसके कारण कम जमीन पर ज्यादा उत्पादन करके हम किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकें।

इसी के साथ जितने भी खाद्यान्न हैं, उनके वैल्यु एडिशन के साथ जितने भी आर्टिजन्स हैं, उनको बदलते भारत के परिप्रेक्ष्य के अंदर एक नया मार्केट देकर उन नौजवानों और महिलाओं को रोजगार देने का केन्द्र विश्वविद्यालय बने। आपने जो यह सपना देखा है, वह निश्चित रूप से पूरा होगा। हम यहां पर पढ़ने वाले बच्चों की कुशलता और उनको अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए इस विश्वविद्यालय के कैम्पस के पाठ्यक्रम को इस तरीके से बनाएं कि कोई भी कम्पटीशन हो, कोई भी प्रतिस्पर्धा हो, उसके अंदर इस विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम और शिक्षा का बहुत बड़ा योगदान हो।

मुझे आशा है कि इस हाड़ौती सम्भाग, जिसका कोचिंग के रूप में पूरे देश में नाम हुआ है, हम आने वाले समय में किस तरीके से यहां पर शिक्षा, शिक्षा के इनोवेशन, स्टार्ट अप कर सकते हैं। आपके सामने ट्रिपल आईटी का भी निर्माण हो रहा है। हम आईटी सेक्टर के अंदर, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी के सेक्टर के अंदर सभी विश्वविद्यालयों का आपस में कोलबोरेशन करके बेहतर शिक्षा का केन्द्र बनाने का काम करें। जिन लोगों के हाथ में इस विश्वविद्यालय की कमान है तथा जिस समर्पण और निष्ठा भाव से केवल मीणा समाज ही नहीं, हर समाज के जीवन के अंदर सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन हो।

हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले, संस्कार मिले, नई तकनीकी शिक्षा मिले, बदलती हुई शिक्षा मिले, उसके लिए विश्वविद्यालय एक मील का पत्थर साबित होगा। जब भी इस विश्वविद्यालय के लिए मेरे पास समिति के लोग आएं, मैं हमेशा उनके सहयोग के लिए तैयार हूँ। मैं चाहूँगा कि विश्वविद्यालय को जिन उचाइयों पर ले जाने के लिए आपने सपने देखे हैं तो मेरी ज़िम्मेदारी है कि देश और अंतर्राष्ट्रीय स्टार के विश्वविद्यालयों का आपस में कोलाबोरशन करके इस विश्वविद्यालय की गुणवत्ता को भी उसी स्तर पर पहुंचाने के लिए मिलकर व्यापक काम करें।

यह अच्छा है कि हमारी सामूहिकता से काम करने की संस्कृति है, सामूहिकता हमारी ताकत है। अच्छे कामों के लिए सामूहिकता हो तो यह बहुत अच्छा है। संगठन, समाज और अपने-अपने समाज के अंदर सभी लोग, जो भी उनसे सहयोग हो सकता है, अपना कंट्रीब्यूशन समाज के लिए करें। मैं उन सभी दानदाताओं को बहुत-बहुतधन्यवाद देता हूं।

आने वाले समय में यह विश्वविद्यालय केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि देश का एक प्रमुख शिक्षा केन्द्र बने, इसके लिए आप सबको ढेर सारी शुभकामनायें।